2. विष के दाँत

लेखक परिचय

लेखक → नलिन विलोचन शर्मा

जन्म → 18 फरवरी 1916 (पटना के बदरघाट में)

पिता → महमहोपाद्य पंडित रामावतार शर्मा

माता → रत्नावली शर्मा

प्रमुख रचनाएँ → दृष्टिकोण साहित्य का इतिहास दर्शन, मानदंड, प्रेमचंद्र और संत परम्परा एवं साहित्य

Q. विष के दाँत क्या है?

Ans - कहानी

विष के दाँत तथा अन्य कहानियों से विष का दाँत कहानी लिया गया है :-

'विष के दाँत' पाठ का सारांश

- विष के दाँत शीर्षक कहानी के लेखक श्री नलिन विलोचन शर्मा हैं। उन्होंने अपने लेख में, सामंती मिजाज के धनवान परिवार और उसी पर आश्रित एक गरीब परिवार का चरित्र-चित्रण किया है। कहानी में सेन साहब और उनकी पत्नी को कड़े अनुशासन को पालन करने वाला दिखाया गया है। उनके परिवार में पाँच लड़की के बाद एक लड़का का जन्म होता है। लड़कियों के ऊपर अनुशासन की छड़ी बहुत कड़ी है जिससे लड़कियाँ मानो मिट्टी की मूर्ति बन चुकी है। उसी परिवार में लड़का सबसे छोटा है। सारा अनुशासन घर का नियम-व्यवस्था सब कुछ उसके लिए फेल है। लाड़-प्यार में शरारती हो चुका है। अभी उम्र पाँच वर्ष का है लेकिन नौकर, बहन आदि पर हाथ चला देता है।
- एक दिन सेन साहब अपने दोस्तों के साथ ड्राइंग रूम में गपशप कर रहे थे। उनके एक पत्रकार मित्र भी थे। उसके साथ छोटा लड़का भी था जो काशू के उम्र का ही था। बात-

चीत के क्रम में किसी ने उस लड़के के बारे में जानकारी चाही, बस सेन साहब अपने पुत्र खोखा के बारे में बोलने लगे। इसे इंजीनियर बनाना है। और बोलते ही चले गये। सेन साहब व्यवहार में परिवर्तन हो चुका था अपने पुत्र खोखा के लिए।

- उन्हीं के अहाते में गिरधर लाल रहता था। उसका छोटा लड़का मदन था जो खोखा के उम्र का था। एक दिन गाड़ी को गन्दा कर रहा था। रात में सेन साहब ने गिरधरलाल को बुलाकर काफी डाँटा। परिणामतः गिरधरलाल ने अपने बेटे मदन को खूब पीटा। रात में सोने वक्त सेनसाहब मदन की रोने की आवाज सुनकर काफी खुश हुए।
- अगले ही दिन काशू बाबू खेलने के लिए बगल के गली में चले गये। जहाँ मदन और अन्य लड़के लट्टू नचा रहे थे। खोखा ने मदन से रौब में लट्टू माँगा। नहीं मिलने पर मदन पर घूंसा चला दिया। बदले में मदन ने भी घूंसा चला दिया। और काशू बाबू के दो दाँत टूट गये। यानी विष के दाँत टूट गये।

2. विष के दाँत

लेखक परिचय

लेखक → नलिन विलोचन शर्मा

जन्म → 18 फरवरी 1916 (पटना के बदरघाट में)

पिता → महमहोपाद्य पंडित रामावतार शर्मा

माता → रत्नावली शर्मा

प्रमुख रचनाएँ → दृष्टिकोण साहित्य का इतिहास दर्शन, मानदंड, प्रेमचंद्र और संत परम्परा एवं साहित्य

Q. विष के दाँत क्या है?

Ans - कहानी

विष के दाँत तथा अन्य कहानियों से विष का दाँत कहानी लिया गया है :-

- Objective -

1. नलिन विलोचन शर्मा का जन्म कब हुआ था ?

Ans - 1916 में

2. गिरधर लाल का बेटा है ?

Ans - मदन

3. खोया किस कहानी का पात्र है ?

Ans - विष के दाँत

4. सीमा, रजनी, आलो, सेफाली, आरती किसकी बेटी थी ?

Ans – सेन साहब का

5. किसके अनुसार शेनों ने अपने सिद्धांतो को बदल लिया ?

Ans - खोखा के अनुसार

6. सेन साहब की कार की कीमत कितनी थी ?

Ans -साढ़े सात हजार

7. मोटर को कोई खतरा हो सकता था ?

Ans - खोखा से

8. सेन साहब की नई कार किस रंग की थी ?

Ans - काली

9. विष के दाँत कहानी किस वर्ग के अनेक अंतर विरोधियों को उजागर करती है ?

Ans - निम्न वर्ग का

10. सेन साहब अपने बेटे को क्या बनाना चाहते थे?

Ans – इंजीनियर

11. सेन साहब के मोटर कार की पिछली बत्ती का लाल सिसा किसने चकनाचूर किया था ?

Ans - काशु (खोखा)

12. किसके लिए घर में अलग नियम थे ?

Ans - बेटियों के लिए

13. गिरधरलाल, सेन साहब की फैक्ट्री में क्या करता था ?

Ans - किरानी

14. हिन्दी कविता में प्रगवाद के प्रर्वतक कौन है ?

Ans - नलिन विलोशन शर्मा

15. किसकी लड़कियां तहजीज और तमीज की जिती-जागति मूरत है ?

Ans - सेन साहब की

16. महल और झोपरी वालों की लड़ाई में कौन जितते हैं?

Ans - महल वाले

17. विष के दाँत कहानी का प्रमुख पात्र है ?

Ans - खोखा

18. काशु और मदन की लड़ाई के संबंध में लेखक क्या कहते हैं?

Ans – बंगले के पिल्ले और गली के कुत्ते की लड़ाई

19. खोखा के दाँत तोड़ने के बाद गिरधर लाल मदन को क्या करता है?

Ans - लपककर मदन को हाथों से उठा लेता है |

20. सेन साहब के दूर के रिश्तेदार कौन थे ?

Ans - अखबारबिश

21. नलिन विलोचन शर्मा की स्कूल की पढ़ाई कहाँ से हुई थी ?

Ans - पटना कोलेजिएट स्कूल में

22. नलिन विलोचन शर्मा प्रधानाध्यक रहे ?

Ans - हर प्रसाद दास जैन कॉलेज आरा के, राँची विश्वविद्यालय के पटना विश्वविद्यालय के |

1. सेन साहब के परिवार में बच्चों के पालन पोषण में किए जा रहे लिंग आधारित भेदगाव को अपने शब्द में वर्णन करें !

Ans - सेन साहब के घर में बच्चों के पालन-पोषण में लिंग के अनुसार भेदभाव किया जा रहा था उनकी लड़कियों को पढ़ने खेलने एवं हँसने के लिए अलग नियम बनाए गये थे जबकि उसके बेटे काशु के लिए अलग नियम थे।

2. खोखा किन मामलों में अपवाद था –

Ans - सेन साहब का बेटा, खोखा घर में बनाए गए नियम के मामलों में अपवाद था | पढ़ाई, खेलकुद

3. मदन और ड्राइवर के बिच विवाद में कहानीकार क्या बताना चाहते है ?

Ans - मदन और ड्राईवर के बीच विवाद में कहानीकार यह बताना चाहते है कि महल वाले कभी यह नही चाहते हैं कि झोपड़ी वालों के बच्चें उनकी कीमती समानों के आसपास भी भटके|

4. काशु और मदन के बीच झगड़े का कारण क्या था इस प्रसंग के द्वारा लेखक क्या दिखाना चाहते है ?

Ans - काशु और मदन के बीच झगड़े का कारण लट्टू घुमाने का खेल था | इस प्रयोग द्वारा लेखक यह बताना चाहते है कि झोपड़ी वाले लोग भी अपने अपमान का बदला ले सकते है|

5. आपकी दृष्टि में कहानी का नायक कौन है, तकपूर्ण उत्तर दें ?

Ans - हमारी दृष्टि में कहानी का नायक मदन है क्योंकि वह शेनसाहब से बिना डरे ड्राइवर से लड़ जाते है और उसके बेटे के दो दाँत भी तोड़ देते है |

6. काशु का चरित्र-चित्रण करें।

Ans – काशु सेन साहब का बुढ़ापे का आँख का तारा था सेन साहब उसे इंजीनियर या बिजनेसमैन बनाना चाहते थे। काशु अपने पिता द्वारा बनाये गए। सभी मामलों में अपवाद था। घर के लाड - प्यार ने उसे बिगाड़ दिया था वह बिना डरे किसी के ऊपर हाथ चला देता था।

7. सेन साहब का चरित्र-चित्रण करें।

Ans - सेन साहब विष के दाँत कहानी का मुख्य पात्र है सेन साहब की पाँच पुत्रियाँ और एक पुत्र थे। वे अपने बच्चों के लिए घर पर अलग-अलग नियम बनाए है | वह अपने बेटे में बुढ़ापे का सहारा देखते थे।

8. मदन का चरित्र - चित्रण करें |

Ans - मदन विष के दाँत कहानी का सबसे प्रमुख पात्र है " यह बिना डरे सेन साहब के ड्राइवर का विरोध करता है। एवं जब काशु इसके साथ गली में खेलने आता है तो मदन उससे लड़ाई कर उसके दो दाँत तोड़ देता है |

9. गिरधरलाल का चरित्र - चित्रण करें |

Ans - गिरधर लाल का चरित्र सेनसाहब का किरानी और मदन का पिता ही मदन के द्वारा सेन साहब के बेटे से लड़ाई करने पर गिरधर लाल को काम से निकाल दिया जाता है |

2. विष के दाँत

Short answer question

1. (i) **'गिरधर निस्सहाय निष्ठुरता के साथ आगे बढ़ा।' इसका आशय स्पष्ट करें।**

उत्तर - गिरधरलाल अपने पुत्र मदन की धृष्टता से परेशान हो गया था। उसने सोचा कि यदि सेन साहब उसे मदन के चलते नौकरी से निकाल देंगे, तो उसके परिवार की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाएगी। गिरधरलाल को अपनी निस्सहायता का अनुभव हुआ और वह मदन के प्रति क्रूरता से पेश आने के लिए विवश हो उठा। वह मदन को पीटने के लिए आगे बढ़ा।

(ii) **मदन के प्रसंग में गिरधरलाल में कैसा परिवर्तन आया ?**

उत्तर - गिरधरलाल मदन को पीटने के लिए आगे बढ़ा, पर उसके (मदन के) करीब आकर ठिठक गया। पिता से बराबर पिटे जाने के कारण उसने अभ्यासवश मार को बरदाश्त करने के लिए अपने दाँत भींच लिए। पर, पिता ने मदन को मारने के बदले उसे लपककर हाथों से उठा लिया और उसे धन्यवाद देते हुए कहा— "शाबाश बेटे, तुमने खोखा के दो-दो दाँत तोड़ डाले। बड़ा अच्छा किया।"

(iii) **मदन हक्का-बक्का क्यों रह गया?**

उत्तर - मदन अपने पिता के क्रोध का भुक्तभोगी था। वह बराबर अपने पिता से पिटता रहता था। वह अपने पिता के प्यार से वंचित था। पर, उस दिन पिता ने पीटने की जगह प्यार से उसे लपककर हाथों से उठा लिया। पिता के इस अप्रत्याशित व्यवहार से मदन हक्का-बक्का रह गया।

(iv) **सेन साहब खोखा में कैसी संभावनाएँ देखते थे? और उन संभावनाओं के लिए उन्होंने कैसी शिक्षा तय की थी ?**

उत्तर - सेन साहब खोखा में 'बिजनेसमैन' और 'इंजीनियर' होने की संभावना देखते थे, इसलिए उसे ट्रेनिंग भी वैसी ही दी जा रही थी।

2. (i) **मिस्टर सेन और मिसेज सेन को किस बात का गर्व है ?**

उत्तर - मिस्टर और मिसेज सेन को इस बात का गर्व है कि उनकी पाँचों लड़कियाँ कठपुतलियाँ हैं, उनके द्वारा बनाए गए नियमों का पालन करती हैं, वे अपने मन का नहीं करतीं।

(ii) **कहानीकार ने क्यों लिखा है कि मिस्टर और मिसेज सेन की पाँचों लड़कियाँ कठपुतलियाँ हैं ?**

उत्तर - जिस प्रकार कठपुतलियाँ 'सूत्रधार' के इशारों पर नाचती हैं, उसी प्रकार मिस्टर और मिसेज सेन की लड़कियाँ उनके द्वारा निर्धारित नियमों का अक्षरशः पालन करती हैं। वे अपने मन का नहीं करतीं। इसीलिए, कहानीकार ने लिखा है कि मिस्टर और मिसेज सेन की पाँचों लड़कियाँ कठपुतलियाँ हैं।

(iii) **मिस्टर और मिसेज सेन की लड़कियाँ किस बात में निपुण थीं?**

उत्तर - मिस्टर और मिसेज सेन की पाँचों लड़कियाँ अपने-अपने होठों पर मुस्कराहट सँवारने में निपुण थीं। वे इस कला में इतनी निपुण थीं कि सोसाइटी की तारिकाएँ भी उनसे उस कला को सीखने की इच्छा कर सकती थीं।

(iv) **पाँचों लड़कियों को किसी ने किलकारी मारकर हँसते हुए नहीं देखा, आखिर क्यों ?**

उत्तर - मिस्टर और मिसेज सेन ने उन्हें मुस्कराने की छूट दी थी, खिलखिलाकर किलकारी मारने की नहीं, क्योंकि उससे सभ्यता की मर्यादा के खंडित होने की आशंका थी। चूँकि वे पाँचों लड़कियाँ अपने माता-पिता के आदेशों का अक्षरशः पालन करती थीं, इसलिए वे केवल मुस्कराती थीं, खिलखिलाकर हँसना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता था।

3. (i) **महल और झोपड़ी वालों की लड़ाई में अकसर महल वाले ही जीतते हैं, पर उसी हालत में, जब दूसरे झोपड़ी वाले उनकी मदद अपने ही खिलाफ करते हैं। इसका भाव स्पष्ट करें।**

उत्तर - धनी और निर्धन के बीच की लड़ाई में प्रायः धनी की ही जीत होती है। धनी यह जीत अपने बल पर नहीं, गरीबों के बल पर प्राप्त करता है। गरीब- यदि धनियों की मदद नहीं करें, तो धनियों में इतना बल नहीं है कि वे गरीबों को हरा सकें।

(ii) **सेन साहब के कितनी लड़कियाँ थीं? उनके नाम क्या थे?**

उत्तर - सेन साहब के पाँच लड़कियाँ (बेटियाँ) थीं। उनका नाम था - सीमा, रजनी, - आलो, शेफाली और आरती ।

Long answer question

1. सेन साहब के परिवार में बच्चों के पालन-पोषण में किए जा रहे लिंग- आधारित भेदभाव का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

उत्तर - सेन साहब के परिवार में लड़कियों एवं लड़के के पालन-पोषण में भेदभाव किया जाता है। लड़कियों को यह शिक्षा दी जाती है कि उन्हें क्या-क्या नहीं करना है। यानी, उनकी स्वच्छंदता प्रतिबंधित है। इसके विपरीत, लड़के काशू को पूरी स्वतंत्रता है, वह चाहे जो करे, उसे कोई डाँटनेवाला नहीं है। बच्चों के पालन-पोषण में लिंगभेद के चलते सेन साहब की लड़कियाँ कुंठित सी हो गई हैं और लड़का काशू बिगड़ैल हो गया है।

2. रोज-रोज अपने बेटे की पिटाई करनेवाला गिरधरलाल मदन द्वारा काशू की पिटाई करने पर उसे दंडित करने के बजाय प्रसन्नता से अपनी छाती से क्यों लगा लेता है ?

उत्तर - मदन की हरकतों के कारण गिरधरलाल को प्रतिदिन सेन साहब की झिड़की खानी पड़ती थी। वह अपनी लाचारी, कायरता और भीतर की खीझ को अपने बेटे, मदन पर उतारता और उसे पीटने के बाद भीतर-ही-भीतर खूब रोता। धनी वर्ग की अकड़ के प्रति गिरधरलाल के भीतर दबा हुआ आक्रोश था। उसकी आर्थिक विपन्नता और कायरता उसे उस आक्रोश को व्यक्त करने का मौका नहीं देती थी। मदन ने जब काशू की पिटाई कर दी तब उसको (गिरधरलाल को) ऐसा लगा जैसे मदन ने उसके मन की बात सुन ली हो, उसे भीतर के आक्रोश को मूर्त रूप दे दिया हो। यही कारण है कि वह (गिरधरलाल) मदन द्वारा काशू की पिटाई करने पर उसे दंडित करने के बजाय प्रसन्नतापूर्वक अपनी छाती से लगा लेता है।

3. काशू और मदन के बीच झगड़े का क्या कारण था? इस प्रसंग द्वारा लेखक क्या दिखाना चाहता है ?

उत्तर- काशू ने मदन और उसके मित्रों को लट्टू नचाते देखा, तो उसकी तबीयत मचल गई। वह भी लट्टू नचाना चाहता था। पर, काशू से अपमानित प्रताड़ित मदन नहीं चाहता था कि काशू लट्टू नचाए। इसपर काशू ने तैश में आकर मदन को एक घूँसा रसीद कर दिया। मदन भी काशू पर टूट पड़ा। इस प्रसंग के द्वारा लेखक आहत बाल मन की प्रतिक्रियाओं को प्रस्तुत करना चाहता है।

4. (i) खोखा किन मामलों में अपवाद था ? सेन दंपति खोखा में कैसी संभावनाएँ देखते थे और उन संभावनाओं के लिए उन्होंने उसकी कैसी शिक्षा तय की थी ?

उत्तर- (i) खोखा का जन्म तब हुआ था जब उसकी कोई उम्मीद मिसेज सेन और सेन साहब को बाकी नहीं रह गई थी। इस तरह खोखा जन्म के संदर्भ में 'जीवन के नियम' का अपवाद था। इसके साथ ही वह घर के नियमों का भी अपवाद था, क्योंकि उसका जन्म पाँच बहनों के बाद हुआ था। नियम केवल पाँचों लड़कियों के लिए थे, खोखा घर के नियमों के ऊपर था।

सेन दंपत्ति खोखा में इंजीनियर होने की संभावना देखते थे, इसलिए ट्रेनिंग भी उसे वैसी ही दी जा रही थी। खोखा पाँच साल का हो रहा था, पर उसे किसी किंडरगार्टन स्कूल में भेजने के बजाय उसे घर पर ही किसी बढ़ई मिस्त्री के साथ दो-एक घंटे के लिए रहना अनिवार्य कर दिया गया था ताकि बढ़ई मिस्त्री के साथ वह भी कुछ ठोक-पीट किया करे। सेन साहब को विश्वास था कि इस तरह पाँच वर्षीय खोखा की उँगलियाँ औजारों से परिचित हो जाएँगी। इससे उसे इंजीनियर बनने में मदद मिलेगी।

(ii) 'विष के दाँत' शीर्षक कहानी की प्रमुख घटना का वर्णन करें।

उत्तर - सेन साहब (फैक्टरी के मालिक) के बिगड़ैल लड़के काशू ने गिरधरलाल (सेन साहब की फैक्टरी में किरानी) के लड़के मदन से जबरन लट्टू लेना चाहा। इसपर दोनों में कहा-सुनी हो गई। काशू ने मदन पर घूँसा चला दिया। मैदन काशू पर टूट पड़ा। काशू जान बचाकर भागा। मदन के पिता, गिरधरलाल

ने अपने बेटे को बहुत सराहा, क्योंकि उसने काशू के धन के धन-मदरूपी विष के दाँत उखाड़ दिए थे।

(iii) 'विष के दाँत' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें।

उत्तर - 'विष के दाँत' कहानी का शीर्षक अत्यंत सार्थक है। इस कहानी में किरानी गिरधरलाल के पुत्र मदन ने धनी वर्ग के प्रतिनिधि सेन साहब के पुत्र काशू को पीटकर धनी वर्ग के अहंकाररूपी विष के दाँत को तोड़ने का काम किया।

5. (i) सेन साहब और उनके मित्रों के बीच क्या बातचीत हुई और पत्रकार मित्र ने उन्हें किस तरह उत्तर दिया ?

उत्तर - सेन साहब और उनके मित्रों के बीच यही बातचीत हुई कि उनके लड़के भविष्य में क्या करेंगे। किसी मित्र ने जब पत्रकार से पूछा कि उनका लड़का स्कूल तो अवश्य जाता होगा, तब उन्होंने अपने मित्र को जवाब देते हुए कहा कि मैं चाहता हूँ कि मेरा लड़का जेंटिलमैन जरूर बने, और जो कुछ बने, उसका काम है, उसे पूरी स्वतंत्रता है।

(ii) "हंस कौओं की जमात में शामिल होने के लिए ललक गया।" इसकी सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

उत्तर - प्रस्तुत वाक्य कहानीकार नलिन विलोचन शर्मा की कहानी 'विष के दाँत' पाठ से लिया गया है। यहाँ 'हंस' शब्द सेन साहब के खोखा के लिए तथा 'कौआ' शब्द मदन जैसे 'आवारागर्द' लड़कों के लिए प्रयुक्त हुआ है।

मदन पड़ोसियों के आवारागर्द छोकरों के साथ लट्टू नचा रहा था। खोखा ने देखा तो उसका जी लट्टू नचाने के लिए मचल उठा। वह भी उन आवारागर्द बच्चों में शामिल होने के लिए ललक उठा। अर्थात 'हंस' (धनी लड़का) 'कौओं' (गरीब बच्चों) के बीच जाने के लिए मचल उठा।

(iii) "लड़कियाँ क्या हैं, कठपुतलियाँ हैं और उनके माता-पिता को इस बात का गर्व है।" इस कथन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

उत्तर - प्रस्तुत वाक्य कहानीकार नलिन विलोचन शर्मा की कहानी 'विष के दाँत' पाठ से उद्धृत है। मिस्टर और मिसेज सेन को पाँच लड़कियाँ हैं। ये सेनों द्वारा निर्धारित नियमों का अक्षरशः पालन करती हैं। उनका अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है। ये लड़कियाँ नहीं, कठपुतलियाँ हैं, दूसरों के इशारों पर चलनेवाली। इन लड़कियों (कठपुतलियों) के माता-पिता को गर्व है कि उनकी लड़कियाँ आज्ञाकारिणी हैं।

2. विष के दाँत

1. "विष के दाँत' कहानी के रचयिता कौन है ?

(A) अमरकांत

(B) नलिन विलोचन शर्मा

(C) यतीन्द्र

(D) मैक्समूलर

Ans – (B)

2. नलिन विलोचन शर्मा का जन्म ई० में हुआ ?

(A) 1914

(B) 1915

(C) 1916

(D) 1917

Ans – (C)

3. नलिन विलोचन शर्मा का जन्म कहाँ हुआ था ?

(A) सिमरिया

(B) बलिया

(C) उन्नाव

(D) पटना

Ans – (B)

4. 'विष के दाँत' पाठ की विधा है -

(A) निबंध

(B) व्यक्तिचित्र

(C) कविता

(D) कहानी

Ans – (B)

5. गिरधरलाल का बेटा है -

(A) खोखा

(B) काशू

(C) मदन

(D) आलो

Ans – (C)

6. खोखा किस कहानी का पात्र है ?

(A) विष के दाँत

(B) बहादुर

(C) मछली

(D) नाखून क्यों बढ़ते हैं

Ans – (A)

7.'मदन' किसका बेटा है ?

(A) सेन साहब का

(B) गिरधर लाल का

(C) शोफर का

(D) अखबारनवीस का

Ans – (B)

8. सेन साहब की कितनी लड़कियाँ थीं ?

(A) दो

(B) तीन

(C) चार

(D) पाँच

Ans – (D)

9. सीमा, रजनी, आलो, शेफाली, आरती पाँचों किनकी बेटियाँ है ?

(A) गिरधरलाल की

(B) शोफर की

(C) सेन साहब की

(D) पत्रकार महोदय की

Ans – (C)

10. नाउम्मीद बुढ़ापे की आँखों का तारा है -

(A) मदन

(B) खोखा

(C) रजनी

(D) शेफाली

Ans – (B)

11. किसके अनुसार सेनों ने सिद्धांतों को भी बदल लिया था ?

(A) बेटियों के अनुसार

(B) खोखा के अनुसार

(C) मदन के अनुसार

(D) गिरधर के अनुसार

Ans – (B)

12. खोखा के दाँत किसने तोड़े ?

(A) मदन ने

(B) मदन के दोस्त ने

(C) सेन साहब ने

(D) गिरधर ने

Ans – (A)

13. सेन साहब की कार की कीमत है -

(A) साढ़े सात हजार

(B) साढ़े आठ हजार

(C) साढ़े नौ हजार

(D) साढ़े सात लाख

Ans – (A)

14. सेन साहब की आँखों का तारा है -

(A) कार

(B) खोखा

(C) खोखी

(D) उपर्युक्त सभी

Ans – (B)

15. मोटर को कोई खतरा हो सकता था तो ..... से।

(A) खोखा

(B) मदन

(C) सीमा

(D) काशु

Ans – (A)

16. लड़कियाँ तो पाँचों बड़ी सुशील हैं, पाँच-पाँच ठहरी और सो भी लड़कियाँ, तहजीब और तमीज की तो जीती-जागती मूरत ही हैं उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ का है ?

(A) नाखून क्यों बढ़ते हैं

(B) नौबतखाने में इवादत

(C) विष के दाँत

(D) परंपरा का मूल्यांकन

Ans – (C)

17. सेन साहब की नई मोटरकार किस रंग की थी ?

(A) सफेद

(B) काली

(C) नीली

(D) लाल

Ans – (B)

18.महल और झोपड़ीवालों की लड़ाई में अक्सर महलवाले ही जीतते हैं।इस गद्यांश के लेखक कौन हैं?

(A) महात्मा गाँधी

(B) अमरकांत

(C) नलिन विलोचन शर्मा

(D) अशोक वाजपेयी

Ans – (C)

19.विष के दाँत' कहानी किस वर्ग के अनेक अंतरविरोधों को उजागर करती है ?

(A) उच्च वर्ग

(B) मध्य वर्ग

(C) निम्न वर्ग

(D) शोषित वर्ग

Ans – (C)

20. सेन साहब अपने बेटे खोखा को क्या बनाना चाहते थे ?

(A) डॉक्टर

(B) खिलाड़ी

(C) बिजनेस मैन, इंजीनियर

(D) पत्रकार

Ans – (C)

21. सेन साहब की नई मोटरकार की पिछली बत्ती का लाल शीशा किसने चकनाचूर किया था ?

(A) मदन

(B) काशू

(C) शोफर

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (B)

22. खोखा जीवन के नियम का अपवाद था और यह अस्वाभाविक नहीं था कि वह घर के नियमों का भी अपवाद हो। यह गद्यांश किस पाठ का है ?

(A) विष के दाँत

(B) शिक्षा और संस्कृति

(C) बहादुर

(D) मछली

Ans – (A)

23. खोखा के पिता हैं -

(A) गिरधरलाल

(B) सेन साहब

(C) पत्रकार

(D) अखवारनवीस

Ans – (B)

24. किसके लिए घर में अलग नियम थे, दूसरी तरह की शिक्षा थी ?

(A) खोखा के लिए

(B) मदन के लिए

(C) बेटियों के लिए

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (C)

25. मैं चाहता हूँ कि वह जेंटिल मैन जरूर बने और जो कुछ बने, उसका काम है उसे पूरे आजादी रहेगी। अपने बच्चे के विषय में ऐसा ख्याल किनका है ?

(A) सेन साहब का

(B) पत्रकार महोदय का

(C) गिरधर लाल का

(D) अखबार नवीस का

Ans – (A)

26. ऐसे ही लड़के आगे चलकर गुण्डे, चोर, डाकू बनते हैं।" यह पंक्ति कहानी के किस पात्र ने कही है ?

(A) सेन साहब की धर्मपत्नी

(B) गिरधर

(C) सेन साहब

(D) शोफर

Ans – (C)

27. गिरधरलाल, सेन साहब की फैक्टरी में क्या था ?

(A) किरानी

(B) ड्राइवर

(C) एकाउन्टेन्ट

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (A)

28. हिन्दी कविता में प्रपद्यवाद के प्रवर्तक कौन हैं ?

(A) मैक्समूलर

(B) नलिन विलोचन शर्मा

(C) अशोक वाजपेयी

(D) अमरकांत

Ans – (B)

29. किनकी लड़कियाँ तहजीब और तमीज की जीती-जागती मूरत है ?

(A) गिरधरलाल की

(B) डॉक्टर साहब की

(C) सेन साहब की

(D) इंजीनियर साहब की

Ans – (C)

30. सीमा, रजनी, आलो, शेफाली, आरती-पाँचों किनकी बहने थीं ?

(A) मदन की

(B) खोखा की

(C) लेखक की

(D) सेन साहब का

Ans – (B)

31. झोपड़ी और महल की लड़ाई में अक्सर कौन जीतते हैं ? नहीं

(A) महल वाले

(B) झोपड़ी वाले

(C) दोनों

(D) कोई

Ans – (A)

32. कौन-सी कहानी मध्यवर्ग के अंतर्विरोधों को उजागर करती है ?

(A) श्रम विभाजन और जाति प्रथा

(B) नाखून क्यों बढ़ते हैं

(C) विष के दांत

(D) नागरी लिपि

Ans – (C)

33. दर्शन और संस्कृत के प्रख्यात विद्वान महामहोपाध्याय पं०रामावतार शर्मा के ज्येष्ठ पुत्र थे -

(A) भीमराव अंबेदकर

(B) नलिन विलोचन शर्मा

(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(D) यतीन्द्र मिश्र

Ans – (B)

34. मध्यवर्ग के अनेक अंतर्विरोधों को उजागर करने वाली कहानी है...

(A) श्रम विभाजन और जाति प्रथा

(B) भारत से हम क्या सीखे

(C) नागरी लिपि

(D) विष के दांत

Ans – (D)

35. विष के दांत कहानी का प्रमुख पात्र है -

(A) गिरधर

(B) सेन साहब

(C) खोखा

(D) सेन साहब की पत्नी

Ans – (C)

36. काशू और मदन की लड़ाई के संबंध में लेखक क्या कहता है ?

(A) हड्डी और मांस की लड़ाई

(B) बँगले के पिल्ले और गली के कुत्ते की लड़ाई

(C) उपर्युक्त दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

Ans – (C)

37. खोखा के दाँत तोड़ने के बाद गिरधर लाल मदन को क्या करता है ?

(A) गुस्सा करता है

(B) पिटाई करता है

(C) लपककर मदन को हाथों से उठा लेता है।

(D) घर से भगा देता है

Ans – (C)

38. सेन साहब के दूर के रिश्तेदार थे -

(A) गिरधर लाल

(B) मुकर्जी साहब

(C) शोफर

(D) अखबारनवीस

Ans – (B)

39. नलिन विलोचन शर्मा की स्कूल की पढ़ाई कहाँ से हुई थी ?

(A) पटना कॉलेजिएट स्कूल

(B) पटना हाइस्कूल

(C) बी० एन० कॉलेजिएट स्कूल

(D) टी० के० घोष हाई स्कूल

Ans – (A)

40. नलिन विलोचन शर्मा प्राध्यापक रहे -

(A) हर प्रसाद दास जैन कॉलेज आरा के

(B) राँची विश्वविद्यालय के

(C) पटना विश्वविद्यालय के

(D) उपर्युक्त सभी के

Ans – (B)

41. काली चमकती हुई स्ट्रीमल इंड नई मोटर कार थी -

(A) इंजीनियर साहब की

(B) अखबार नवीस की

(C) पत्रकार महोदय की

(D) सेन साहब की

Ans – (D)

42. मदन खोखा के कितने दाँत तोड़ डाले ?

(A) एक

(B) दो

(C) तीन

(D) चार

Ans – (B)

43.'विष के दाँत' कहानी में मोटरकार किसकी थी ?

(A) गिरधर की

(B) सेन साहब की

(C) मदन की

(D) शोफर की

Ans – (B)

44. मदन के लिए क्या खाना मामूली बात थी ?

(A) दुत्कार

(B) प्यार

(C) मार

(D) फटकार

Ans – (C)